वर्ष [illegible] अंक [illegible] जून 2017
ISSN: 2231-3869 [illegible]
U.G.C. 482/64780 [illegible]
[illegible] PUNBIL04098/19/1/2010-TC

कश़फ़

[शोधात्मक-उल्लिखित (Refereed Journal) - [illegible] (Bilingual) अर्द्धवार्षिकी]

संरक्षक :-
श्रीमती प्रकाश कौर
(दिल्ली)
श्री चरणजीत आनंद
(कोलकाता)
न्यायिक सलाहकार :-
श्री विभोर तनेजा
एडवोकेट, चंडीगढ़
व्यवस्था और संचालन
श्रीमती नीलम तनेजा
विभोर प्रकाशन,
5016 जोशीपुरा
पो. खालसा कॉलेज,
अमृतसर - 143002

संपादक : डॉ. विनोद तनेजा

'कश़फ़' एक अव्यवसायिक शोध पत्रिका है।

सदस्यता सहयोग आजीवन 2100 रु. संरक्षकीय : 11,100 रु.
संस्थागत : 500 रु. वार्षिक

स्व
अनेजा (

क्या, कहां पढ़ें ?

सम्पादकीय

1. चाहत की फाँकी करत, ...		5
2. सूफ़ीमत	डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त	15
3. सूफ़ी मत सिद्धान्त,....	डॉ. रचना चौहान	18
4. 'उपनिषदों में वर्णित	डॉ. सुषमा चावला	30
5. ETHICAL VALUES ...	डॉ. केसर कमल शर्मा	33
6. सूफ़ीवाद और आधुनिक	Dr. T.S. Tomar	36
7. SUFI LAW	डॉ. सुभाष शर्मा	48
8. POLITICAL IDEAS ...	Adv.Paridhi Kalotna(A)	57
9. सूफ़ीमत एवं चिश्तिय.....	Dr. Shashi Prabha	61
10.अल्पचर्चित चिश्तिया सूफ़ी साधक	डॉ. विदुषी	72
11. फ़िरदौसी सिलसिले के..	डॉ. सुनीता शर्मा	84
12.'शतारी सूफ़ी सम्प्रदाय..	डॉ. अतुला भास्कर	92
13. साबरी सम्प्रदाय....	डॉ. केसर कमल शर्मा	98
14. मालवांचल के सूफ़ी..	डॉ. ओम प्रकाश सिंह	106
15. कादरिया सिलसिला-मियाँ....	डॉ. प्रभा श्रीनिवासुल	111
16 महिला सूफ़ी सन्त	डॉ. राजेंद्र सिंह 'साहिल'	114
17.Sufi Saints Punjab and Sindh	डॉ॰ गौरी त्रिपाठी	118
18. हरियाणा के अल्पचर्चित....	Geetika	125
19. लाहौर के सूफ़ी साधक :	डॉ. शर्मिला यादव	130
20. सिंध के सूफ़ी साधक कवि: शाहलतीफ़	डॉ. अनीता शर्मा	136
21. गुजराती सूफ़ी संत.....	डॉ. राजेन्द्र टोकी	144
22. कुबरविया सिलसिला-कश्मीर..	डॉ. रजनीकान्त एस.शाह	148
23. गुजरात के सूफ़ी साधक...	डॉ. राजेन्द्र सिंह'साहिल'	159
24. गुजरात के प्रमुख.....	डॉ. नयना डेलीवाला	162
25. यू. अलीशाह कलन्दर....	डॉ. मनीष	170
	डा. राजेंद्ररंजन चतुर्वेदी	174

26. सूफ़ी सन्त
27. भारतीय सूफ़ी
28. सूफ़ी चिन्तक
29. सूफ़ी साधक
30. हज़रत सुल्तान
31. सुन्द-ऋषि की
32. अल्प चर्चित
(डेहरा
33. पीर सैय्यद
34. शहंशाहे -
35. अल्पचर्चित
36. शेख़
37. ईश प्रतिनिधि
38. सूफ़ी संत पीर
39. कलंदर: हज़रत
40. हाज़ी
41. सूफ़ी साधक हज़रत
42. सूफ़ी संत बाबा
43. अनचीन्हें सूफ़ी-साधक
44. सूफ़ी साधना के
45. अचर्चित भारतीय
46. अल्प परिचित सूफ़ी
47. अल्पचर्चित सूफ़ी-साधक
48. अल्पज्ञात सूफ़ी-साधक
49. 'सूफ़ीवाद का सांगीतिक
50. ਸੂਫ਼ੀ ਸੰਗੀਤ ਪ੍ਰੰਪਰਾ

महिला सूफ़ी सन्त

डॉ० गौरी त्रिपाठी

''हद तपै तो औलिया, बेहद तपे सो पीर,
हद बेहद दोऊ तपै, वाको नाम फ़कीर।।

सूफ़ी संत भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं, जिनकी चर्चा किये बगैर मध्यकालीन साहित्य अधूरा रह जायेगा। नवीं से दसवीं सदी के आरम्भ में इस्लाम धर्म का स्वर्णिम युग लहरा रहा था, उसी समय सूफ़ी मत एक आध्यात्मिक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ। पूरा मध्यकाल सूफ़ियों का स्वर्णिम काल था। सूफ़ी परम्परा को महिला सूफ़ी साधकों ने भी समृद्ध किया है। इन सबने आध्यात्मिकता की ऊँचाइयों को गहरे अर्थों में प्राप्त किया, लेकिन विडंबना यह है कि जीवन के अन्य क्षेत्रों की तरह धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में भी स्त्रियों की उपलब्धियों को खुले दिल से स्वीकार नहीं किया जाता। इनमें से कई महिला सूफ़ी संतो के नाम तो गुमनामी के अँधेरे में दबे हैं।

इस्लाम के उदय एवं प्रसार में महिला सूफ़ी संतो का काफ़ी योगदान था। ये सूफ़ी सन्त महिलायें समाज के सभी वर्गों से आती थीं। राजदरबार, किसान, व्यवसायी, गुलाम, समाज के सबसे पतित वर्ग वेश्या वर्ग से भी आती थीं, किन्तु उन्होंने इस सभी बंदिशों को तोड़ते हुए एक नया स्थान हासिल किया। समाज ने उनके नैतिक उपदेशों को अपनाया। शेख़ निज़ामुद्दीन औलिया कहा करते थे: ''जब शेर जंगल से प्रकट होता है तो कोई भी उसके लिंग के बारे में नहीं पूछता है। आदम की सन्तान को अल्लाह के प्रति कृतज्ञता एवं दयालुता प्रकट करनी चाहिए, चाहे वो आदमी हो या औरत। ''

शेख़ अब्दुल-हक-मुहद्दिस देहलवी ने ''अख़बारूल-अत-अखयार'' में एक अलग अध्याय में महिला सन्तों का वर्णन किया है। उन सन्तों में बीबी सारा जो तात्कालीन ख़्वाजा कुतुबुद्दीन 'बख़्तियार' काकी के समकालीन शेख़ निज़ामुद्दीन अबुल मुईद की माता थी, का उल्लेख सबसे पहले आता है। शेख़ निज़ामुद्दीन की माता के बारे में एक कहानी प्रचलित है। शेख़ से लोग अपनी आध्यात्मिक एवं भौतिक समस्याओं का समाधान पूछा करते थे। एक अवसर पर दिल्ली में सूखा पड़ा। सभी लोग बारिश के लिए प्रार्थना कर रहे थे तथा शेख़ निज़ामुद्दीन को भी ऐसा ही करने के लिए कहा गया। अपनी माँ के पहने हुए कपड़ों में से एक धागा लेकर उन्होंने प्रार्थना करना शुरू कर दिया, ठीक उसी समय बारिश होनी